

विद्या भारती द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

बौद्धिक और शारीरिक रूप में राष्ट्र को समृद्ध करने वाली शिक्षा की जरूरत - राज्यपाल

जयपुर, 5 जुलाई। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राष्ट्र को बौद्धिक और शारीरिक रूप में सुदृढ़ करना आज के दौर की सर्वाधिक जरूरत है। विद्या भारती के शिक्षण संस्थान देश में इसी के लिए कार्य करते हैं। एलन मस्क के कहे की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका को भी आज भारतीय इंजीनियरों की आवश्यकता है।

राज्यपाल श्री बागडे शनिवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित विद्या भारती के प्रतिभा सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत ने ही जीरो की संख्या विश्वभर को दी। इसी से आगे की गिनती प्रारंभ हुई। उन्होंने कहा कि शिवकर बापूजी तलपड़े ने 1895 में भारत में पहला हवाई जहाज उड़ाया था पर विमान उड़ाने का श्रेय राइट बंधुओं को मिला।

राज्यपाल ने विनोबा भावे के कहे की चर्चा करते हुए कहा कि जिस दिन देश में आजादी के बाद झंडा बदला गया, उसी दिन देश की शिक्षा नीति में बदलाव होना चाहिए था। शिक्षा का भारतीयकरण होना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि मैकाले ने भारत में पश्चिमी शिक्षा पद्धति का प्रसार कर काले अंग्रेज तैयार किए। यह ऐसे हैं जो अपनी गौरवमय परंपरा से विमुख हैं।

राज्यपाल ने कहा कि जितने गुरुकुल कभी भारत में थे उतने इंग्लैंड में विद्यालय नहीं थे। गुरुकुल में सर्वांगीण विकास की शिक्षा दी जाती थी। उन्होंने कहा कि गुरुकुल में 16 भाषाएं सिखाई जाती थी। आज तो तीसरी भाषा का भी विरोध किया जा रहा है। उन्होंने "पुत सिखावे पालने" कहावत की चर्चा करते हुए कहा कि राजस्थान में तो पालने में ही बच्चों को सिखाना प्रारंभ कर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाना ही शिक्षाविदों का प्रमुख कार्य होना चाहिए।

श्री बागडे ने जर्मनी की चर्चा करते हुए कहा कि वहां प्राथमिक शिक्षा में सबसे अधिक वेतन मिलता है। शिक्षा की नींव प्राथमिक शिक्षा से ही तैयार होती है।

समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में श्री शिवप्रसाद ने कहा कि विद्या भारती संस्कार निर्माण के लिए देशभर में कार्य करती है। यह सामान्यजन के लिए सामान्यजन द्वारा संचालित किया जाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम की सोच से कार्य करने की सीख विद्याभारती देती है।

मुख्य अतिथि श्री योगी रमण नाथ महाराज ने कहा कि शिक्षा में आइक्यू की दौड़ में इक्यू की अवहेलना की जा रही है। इसी से समाज में भावनात्मक संवेदनशीलता का तेजी से अभाव हो रहा है। उन्होंने कहा कि माइंड सेटअप बदलने से ही शिक्षा नीति की सफलता संभव होगी।

श्री जसवंत खत्री ने कहा कि सफलता सार्थकता के साथ जुड़ेगी तभी वह महत्वपूर्ण होगी। पुलिस आयुक्तालय के अतिरिक्त आयुक्त श्री कुंवर राष्ट्रदीप ने लक्ष्य को सर्वोपरि रखते हुए नई पीढ़ी को कार्य करने पर जोर दिया।

राज्यपाल श्री बागडे ने प्रारंभ में विद्याभारती के प्रतिभावान विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने संस्कार राजस्थान के स्मृति अंक "जयदेव पाठक" का लोकार्पण भी किया। विद्याभारती के अध्यक्ष परमेश्वर दशोरा ने सभी का आभार जताया।





